महाकुंभ का समापन

चर्चा में क्यों?

प्रयागराज में 13 जनवरी 2024 से शुरू हुए महाकुंभ मेले का 45 दिन बाद **26 फरवरी 2025** को **महाशिवरात्रि** के स्नान के साथ समापन हो गया।

मुख्य बिंदु

- **समापन समारोह के बारे में:**
  - समापन समारोह संगम तट 27 फरवरी 2025 को आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री द्वारा महाकुंभ मेले के समापन की आधिकारिक घोषणा की गई।
  - मुख्यमंत्री ने महाकुंभ को ऐतिहासिक, दिव्य, भव्य, स्वच्छ, सुरक्षित और डिजिटल बनाने में योगदान देने वाले **कर्मचारियों और संस्थाओं को सम्मानित किया।**
- **प्रमुख घोषणाएँ:**
  - नाव चालक को 5 लाख रुपए की बीमा योजना दी जाएगी।
  - जिन लोगों के पास स्वास्थ्य बीमा नहीं है, उन्हें आयुष्मान भारत योजना के तहत कवर किया जाएगा।
  - सफाई कर्मचारियों को **10 हज़ार का अतिरिक्त बोनस मिलेगा।**
  - इसके अलावा अब सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम 16000 प्रति माह वेतन दिया जाएगा।
- **कुंभ मेला 2025 के प्रमुख आकर्षण:**
  - त्रिवेणी संगम: गंगा, यमुना और सरस्वती का पवित्र संगम।
  - **प्राचीन मंदिर:** हनुमान मंदिर, अलोपी देवी मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर।
  - **कलाग्राम:** संस्कृति मंत्रालय द्वारा स्थापित सांस्कृतिक गाँव, शिल्प, व्यंजन और संस्कृति से जुड़ी प्रदर्शनी।
  - **अखाड़ा शिविर:** साधु-साधकों का ध्यान, चर्चा और दार्शनिक आदान-प्रदान का केंद्र।
  - **ड्रोन शो:** उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा भव्य ड्रोन शो।
  - **अंतर्राष्ट्रीय पक्षी महोत्सव**: 16-18 फरवरी 2025 को 200 से अधिक पक्षियों का प्रदर्शन।
- **कुंभ मेला 2025 के विश्व रिकॉर्ड**
  - विश्व का सबसे बड़ा मेला बना।
  - **66.30 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए।** यह संख्या **अमेरिका की आबादी से दोगुनी** थी।
  - **दुनिया में कहीं भी इतना बड़ा समागम नहीं हुआ।**
  - महाकुंभ मेला क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम से 166 गुना बड़ा था।
  - 19 हज़ार सफाईकर्मियों ने एक साथ सफाई अभियान चलाया।
  - विश्व का सबसे बड़ा व्यवस्थित मेला बना जिसमें 4 लाख से ज़्यादा टेंट-तंबू और 1.5 लाख टॉयलेट बनाए गए।
- **अवसंरचनात्मक व्यवस्था**
  - 70 हज़ार से ज़्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात
  - **सात-स्तरीय सुरक्षा प्रणाली लागू की गई**
  - एआई और ड्रोन निगरानी
  - **351 अग्निशमन वाहन 50 से अधिक फायर स्टेशन**
  - 6,000 से अधिक ट्रेनें चलाई गईं।
  - **92 सड़कों** का नवीनीकरण और **17 प्रमुख सड़कों** का सौंदर्यीकरण
  - 30 पंटून पुलों का निर्माण
- **चिकित्सा सुविधाएँ**
  - 2,000 से अधिक चिकित्सा कर्मियों की तैनाती
  - **परेड ग्राउंड में केंद्रीय अस्पताल**
  - **23 अस्पताल अतिरिक्त अस्पताल**

    - **दो उप-केंद्रीय अस्पताल**
    - आठ क्षेत्रीय अस्पताल
    - **133 एंबुलेंस** तैनात, जिनमें **सात वाटर एंबुलेंस** और **एक एयर एंबुलेंस** शामिल
    - जन औषधि केंद्रों **के माध्यम से सस्ती दवाइयाँ**
- **नदी सुरक्षा:**
    - **3,800 जल पुलिस कर्मी, 11 FRB स्पीड बोट**
    - **8 किलोमीटर गहरे पानी में बैरिकेडिंग**
    - **100 डाइविंग किट और 3,000 लाइफ जैकेट**
- **हरित पहल (**मियावाकी वन**):**
    - **34,200 वर्ग मीटर में 63 प्रजातियों के 119,700 पौधे लगाए गए**
    - **बसवार डंपिंग यार्ड को हरित क्षेत्र में परिवर्तित किया गया।**
    - **स्वच्छता रथ यात्रा**
    - **कचरा स्कैमिर मशीनों से नदी की सफाई**

कुंभ मेले के बारे में

- वर्ष 2025 में महाकुंभ मेला प्रयागराज में **13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक** आयोजित किया गया है, जिसमें 66.30 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए।
- **'कुंभ' शब्द की उत्पत्ति 'कुंभक'** (अमरता के अमृत का पवित्र घड़ा) धातु से हुई है।
- **पुष्यभूति वंश के राजा हर्षवर्द्धन ने प्रयागराज में कुंभ मेले का आयोजन प्रारंभ किया।**
- यह तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान या डुबकी लगाते हैं। यह समागम 4 अलग-अलग जगहों पर होता है, अर्थात्:
    - हरिद्वार में **गंगा** के तट पर।
    - उज्जैन में **शिप्रा नदी** के तट पर।
    - नासिक में **गोदावरी** (दक्षिण गंगा) के तट पर।
    - प्रयागराज में **गंगा, यमुना और पौराणिक अदृश्य सरस्वती के संगम पर**

कुंभ के विभिन्न प्रकार:

- कुंभ मेला 12 वर्षों में 4 बार मनाया जाता है।
- हरिद्वार और प्रयागराज में अर्द्धकुंभ मेला हर छठे वर्ष आयोजित किया जाता है।
- महाकुंभ मेला 144 वर्षों (12 'पूर्ण कुंभ मेलों' के बाद) के बाद प्रयाग में मनाया जाता है।
- प्रयागराज में प्रतिवर्ष माघ (जनवरी-फरवरी) महीने में माघ कुंभ मनाया जाता है

यूनेस्को की सूची में शामिल

- **यूनेस्को** ने कुंभ मेला को 2017 में अपनी **"मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत"** की सूची में शामिल किया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/conclusion-of-the-maha-kumbha